आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा वन महोत्सवकार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गतझूंसी क्षेत्र के संस्कृति वन, सद्गुरू सदाफलदेव आश्रम तथा केन्द्र की अनुसंधान पौध ाला, पडिला में भाहीद स्मृति वन क्षेत्र में अधिक मात्रा में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं आश्रम सदस्यों के साथ स्थानीय ग्रामीण वासियों ने बढ़–चढ़कर पौधों की विभिन्न किस्मों को रोपित किया।

प्रथम मुख्य पौधारोपण दिनांक 06 जुलाई, 2022 को संस्कृति वन, सद्गुरू सदाफलदेव आश्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम की भ्रुरुआत केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह तथा आश्रम के प्रमुख गुरूमाता सु ीला देवी ने आम तथा पारिजात के पौधों को रोपित करते हुए किया। डा0 संजय सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के सभी सदस्यों तथा स्थानीय ग्रामीण वासियों को फलदार वृक्ष लगाने के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु अन्य वृक्षों को भी रोपित करने का आह्वान किया। उन्होने पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। आश्रम में विभिन्न प्रजातियों के लगभग 1000 पौधे रोपित किये गये।

उक्त क्रम में द्वितीय मुख्य पौधरोपण दिनांक 07 जुलाई, 2022 को पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की अनुसंधान पौध ाला, पड़िला स्थित भाहीद स्मृति वन में भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डा0 अजय भांकर, सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मध्य प्रदे ा एवं प्रो0 प्रदीप श्रीवास्तव, वनस्पति विज्ञान विभाग, इन्विंग कि चन कालेज, सम्बद्ध इलाहाबाद वि वविद्यालय, प्रयागराजउपस्थित रहकर पौधारोपण किया।डा0 अजय भांकरद्वारा वन महोत्सव पर चर्चा करने के साथ पौधरोपण हेतु उपलब्ध पौधों की विभिन्न किस्मों की सराहना भी की गयी। प्रो0 श्रीवास्तव ने ग्लोबल वार्मिंग का पर्यावरण पर प्रभाव पर प्रका ा डालते हुए वन महोत्सव को महत्वपूर्ण बताया। उन्होने प्रदूशण दूर करने और पर्यावरण संरक्षण हेतु **''एक पेड़ के बदले दस पौधे''** लगाने का मंत्र दिया। केन्द्र के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर किये जा रहे पौधारोपण कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ वरिश्ठ तकनीकी अधिकारी तथा अन्य कर्मचारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये। महोत्सव में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत भोध छात्रों के साथ उपस्थित स्थानीय ग्रामीण वासियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। विभिन्न स्थानों पर रोपित किये गये पौधों की प्रजातियों मे क्रम ाः जामुन, सीता अ ोक, इमली, कदम, अर्जुन, भी ाम, कटहल, आम, बड़हल, करंज, अमरूद, आँवला आदि प्रकार के सम्मिलित थे।

प्रयागराज 3
अमृत प्रभात
प्रयागराज, शुक्रवार 8 जुलाई 2022

प्रकृति में सुधार, वनीकरण एक साधन

प्रयागराज (नि.सं.)। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में वन महोत्सव के अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अजय कुमार, सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मध्य प्रदेश एवं प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव, वनस्पति विभाग, ई.सी.सी., प्रयागराज एवं केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित करके किया गया। डॉ. अजय कुमार ने वन महोत्सव पर प्रकाश डालते हुए पौधरोपण के लिये उपलब्ध पौधों की विभिन्न किस्मों की सराहना की। प्रो. श्रीवास्तव ने ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा करते हुए वन महोत्सव को महत्वपूर्ण बताया। केन्द्र प्रमुख डा. सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण वासियों को पर्यावरण संरक्षण के लिये अधिक मात्रा में पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदूषण दूर करने और पर्यावरण बचाने को एक के बदले दस पेड़ लगाने का मंत्र दिया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी. शुक्ला व रतन गुप्ता ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिये एक-एक पौधे रोपित किये। पौधशाला में विभिन्न प्रजातियों जैसे अर्जुन, शीशम, कटहल, आम, बड़हल, महुआ, करंज, अमरूद, आंवला, बांस, सहजन एवं अन्य प्रकार के लगभग 500 से अधिक पौधे विभिन्न स्थानों पर रोपित किये गये।

Menu दस्तक टाइम्स

पर्यावरण सुदृढता: वन महोत्सव एक माध्यम

DT Desk · July 6, 2022 · 3 · 1 minute read

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बुधवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा नगर के झूसी क्षेत्र में स्थित संस्कृत वन-सदाफल आश्रम में वन महोत्सव के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह तथा आश्रम की प्रमुख गुरुमाता सुशीला देवी ने आम तथा पारिजात के पौधों को रोपित करते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की।

डा0 सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के सभी सदस्यों तथा नजदीकी ग्राम वासियों को फलदार वृक्ष लगाने के साथ पर्यावरण बचाने के लिए अन्य वृक्षों को रोपित करने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली हानिकारक वस्तुओं से भी अवगत कराया, जिनसे पर्यावरण की क्षति पहुँचती है साथ ही इनको नष्ट करने के तरीके पर चर्चा की। गुरुमाता सुशीला देवी ने पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए रोपित किये गये पौधों की देखभाल तथा समय समय पर निराई – गुड़ाई व पौधारोपण करने का आश्वासन दिया। आश्रम के सच्चिदानंद, राजेन्द्र प्रसाद तथा विजय बहादुर के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर, डा0 कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं डा0 अनुभा श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला व रतन गुप्ता ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु एक – एक पौधे रोपित किये।

महोत्सव में उपस्थित आश्रम के सदस्यों ग्रामीण वासियों एवं केन्द्र के कर्मचारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्रों ने भी विभिन्न किस्मो के पौधों को रोपित किया। आश्रम में विभिन्न प्रजातियों जैसे पारिजात, शीशम, कटहल, आम, बड़हल, महुआ, करज, अमरुद, आँवला, बाँस सहजन एवं अन्य प्रकार के लगभग 1000 पौधे रोपित किये गये।

वन महोत्सव पर्यावरण सुदृढता का एक माध्यम

प्रयागराज(नि.स.)।आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा नगर के झूसी क्षेत्र में स्थित संस्कृत वन-सदाफल आश्रम में वन महोत्सव के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह तथा आश्रम की गुरुमाता सुशीला देवी ने आम तथा पारिजात के पौधों को रोपित करते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की। डा0 सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के सभी सदस्यों तथा नजदीकी ग्राम वासियों को फलदार वृक्ष लगाने के साथ पर्यावरण बचाने के लिए अन्य वृक्षों को रोपित करने का आह्वान किया। उन्होने पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली हानिकारक वस्तुओं से भी अवगत कराया, जिनसे पर्यावरण को क्षति पहुँचती है तथा साथ ही इनको नष्ट करने के तरीके पर चर्चा की। गुरुमाता सुशीला देवी ने पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए रोपित किये गये पौधों की देखभाल तथा समय समय पर निराई - गुड़ाई व पौधारोपण करने का आश्वासन दिया। आश्रम के सच्चिदानंद, राजेन्द्र प्रसाद तथा विजय बहादुर के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर, डा0 कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं डा0 अनुभा श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला व रतन गुप्ता ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु एक - एक पौधे रोपित किये। महोत्सव में उपस्थित आश्रम के सदस्यों ग्रामीण वासियों एवं केन्द्र के कर्मचारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्रों ने भी विभिन्न किस्मो के पौधों को रोपित किया। आश्रम में विभिन्न प्रजातियों जैसे पारिजात, शीशम, कटहल, आम, बडहल, महुआ, करज, अमरूद, आँवला, बाँस सहजन एवं अन्य प्रकार के लगभग 1000 पौधे रोपित किये गये।

पर्यावरण सुदृढ्ता: वन महोत्सव एक माध्यम

प्रयागराज (नि.सं.)

बुधवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा नगर के झूंसी क्षेत्र में स्थित संस्कृत वन–सदाफल आश्रम में वन महोत्सव के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह तथा आश्रम की प्रमुख गुरूमाता सुशीला देवी ने आम तथा पारिजात के पौधों को रोपित करते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ. सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के सभी सदस्यों तथा नजदीकी ग्राम वासियों को फलदार वृक्ष लगाने के साथ पर्यावरण बचाने के लिए अन्य वृक्षों को रोपित करने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली हानिकारक वस्तुओं से भी अवगत कराया, जिनसे पर्यावरण को क्षति पहुंचती है साथ ही इनको नष्ट करने के तरीके पर चर्चा की। गुरुमाता सुशीला देवी ने पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए रोपित किये गये पौधों की देखभाल तथा समय समय पर निराई–गुड़ाई व पौधारोपण करने का आश्वासन दिया। आश्रम के सच्चिदानंद, राजेन्द्र प्रसाद तथा विजय बहादुर के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी. शुक्ला व रतन गुप्ता ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिये एक–एक पौधे रोपित किये। आश्रम में विभिन्न प्रजातियों जैसे पारिजात, शीशम, कटहल, आम, बडहल, महुआ, करज, अमरूद, आंवला, बांस सहजन एवं अन्य प्रकार के लगभग 1000 पौधे रोपित किये गये।

प्रयागराज 3

प्रकृति में सुधार : वनीकरण एक साधन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। आज आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में वन महोत्सव के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ0 अजय कुमार, सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मध्य प्रदेश एवं प्रो0 प्रदीप श्रीवास्तव, वनस्पति विभाग, ई0सी0सी0, प्रयागराज एवं केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित करके किया गया। डॉ0 अजय कुमार ने वन महोत्सव पर प्रकाश डालते हुए पौधरोपण हेतु उपलब्ध पौधों की विभिन्न किस्मो की सराहना की। प्रो0 श्रीवास्तव ने ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा करते हुए वन महोत्सव को महत्वपूर्ण बताया। केन्द्र प्रमुख डा0 सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण वासियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक मात्रा में पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदूषण दूर करने और पर्यावरण बचाने हेतु एक के बदले दस पेड़ लगाने का मंत्र दिया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर, डा0 कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं डा0 अनुभा श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला व रतन गुप्ता ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु एक - एक पौधे रोपित किये। महोत्सव में उपस्थित ग्रामीण वासियों एवं केन्द्र के कर्मचारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्रों ने भी विभिन्न किस्मो के पौधे लगाए। पौधशाला में विभिन्न प्रजातियों जैसे अर्जुन, शीशम, कटहल, आम, बड़हल, महुआ, करंज, अमरुद, आँवला, बाँस, सहजन एवं अन्य प्रकार के लगभग 500 से अधिक पौधे विभिन्न स्थानों पर रोपित किये गये।